Title: Need to solve the shortage of drinking water and electricity in Delhi and also to implement the water supply agreement relating to Yamuna river.

श्री साहिब सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, समाचार छपा है कि दिल्ली के अन्दर पानी न मिलने से हाहाकार मचा हुआ है। पानी की कमी होने वाली है। दिल्ली के अन्दर 40 एमजीडी का ट्रीटमेंट प्लान्ट बन कर तैयार है, 20 एमजीडी का बवाना में बन कर तैयार है, लेकिन वहां एक बूंद पानी नहीं मिल रहा है। कुएं के अन्दर भी पानी समाप्त हो गया है। हैंडबिल का पानी 410 मीटर तक नीचे चला गया है। दिल्ली में दो महीने के बाद बारिश होगी और दिल्ली के लोगों को इतनी बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

इसी प्रकार दिल्ली में 2500 मेगावाट बिजली की खपत है और हमारे पास 2000 मेगावाट से ज्यादा बिजली नहीं है। दिल्ली के अन्दर हमने 1600 मेगावाट के पावर प्रोजैक्ट के काम प्रारम्भ किए थे। केन्द्रीय सरकार की अनुमति मिल गई थी। लेकिन अब यह जानकारी मिली है कि बवाना में 600 मेगावाट और 450 मेगावाट, यानि 1050 मेगावाट के बिजली प्रोजैक्ट्स के जो टैन्डर हो चुके थे, उन फाइल्स को क्लोज कर दिया गया है। इसी प्रकार नरेला में 300 मेगावाट का पावर प्रोजैक्ट लगना था, लेकिन वह भी बन्द कर दिया गया है, क्योंकि हमने उसका शिलान्यास किया था। दिल्ली में पानी और बिजली की वजह से हाहाकार होने वाला है। अनअथोराइज कालोनीज में पानी नहीं है, जेजे कलस्टर में पानी नहीं है। पानी खत्म हो गया है और सभी लोग परेशान है। मैं चाहूंगा कि केन्द्रीय सरकार दिल्ली की सरकार को बुलाकर इन्टरवीन करे और उनको सख्त निर्देश दे, जिससे यह समस्या खत्म हो और दिल्ली के लोगों को राहत मिले।

* Not Recorded

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने को इसी मामले से एसोशिएट करते हुए, एक बात कहना चाहता हूं। महोदय, जब मैं मुख्य मंत्री था, उस समय 12 जून, 1994 को पांच राज्यों के बीच यमुना नदी के पानी से संबंधित एक समझौता हुआ था। उसमें यह तय हुआ था कि दिल्ली को एक निश्चित क्वांटिटी पानी की मिलेगी, लेकिन वह क्वांटिटी पानी की नहीं मिल रही है। उस क्वांटिटी को रोका जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूम आज दिल्ली के अन्दर पानी की कमी की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मैं एक बात स्पट कर दूं, दिल्ली का मतलब केवल नई दिल्ली नहीं है। दिल्ली में एक करोड़ की आबादी है, जिसमें से 60 लाख लोग झुग्गी-झौपड़ी, अनअथोराइज्ड कालोनीज, सलम्स एरियाज और शहरों में कटरों के अन्दर रहते हैं, जिनको पानी मुहैया नहीं हो रहा है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है और मैं मांग करता हूं कि 12 जून, 1994 को जो समझौता हुआ था, जिस पर पांच मुख्य मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए थे, उसके अनुसार दिल्ली को निश्चित मात्रा में पानी मिलना चाहिए।

दूसरी बात, जैसा अभी बिजली के बारे में कहा गया। दिल्ली के अन्दर 45 से 50 प्रतिशत बिजली की चोरी होती है। दिल्ली में डेढ़ लाख फैक्ट्रियां हैं, जिनमें 15 लाख मजदूर काम करते हैं। बिजली के अभाव के कारण ये फैक्ट्रिया बन्द होने के कगार पर खड़ी है। 15 लाख लोगों के रोजगार का मामला है । इसलिए मैं ऊर्जा मत्री और जल संसाधान मंत्री, दोनों से, आपके माध्यम से निवदेन करना चाहता हूं कि दिल्ली को बिजली मुहैया करवायें और 12 जून, 1994 को जो फैसला हुआ था, उसके अनुसार दिल्ली को पानी दिलवायें। â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, you have already lost your chance. Every time you get up and utter a sentence. एक-एक सन्टैंस करके कितना हो गया।